वर्ष 28 अंक 169

Pages 12

Bareilly, Wednesday, 1 March 2017

inext

दीपक की जिंदगी को चाहिए रौशनी

- SRMS में एडमिट मासूम को लेने नहीं पहुंचे परिजन
- मासूम के ऑपरेशन पर कोर्ट आज ले सकती है फैसला

bareilly@inext.co.in

BAREILLY (28 Feb): मां-बाप के होने के बावजूद एसआरएमएस में पिछले 4 महीने से लावारिस हालत में एडमिट 12 साल के मासूम की आंखें ट्यूजडे को भी निराश रहीं. गंभीर बीमारी गिलन बैरी सिंड्रोम से जूझ रहे मासूम दीपक गंगवार को देखने ट्यूजडे को भी उसके मां-बाप नहीं पहुंचे. मेडिकल कॉलेज प्रशासन का मानना है कि मासूम के इलाज में होने वाले महंगे खर्च को देखते हुए मां-बाप ने बच्चे से किनारा कर लिया है. यही वजह है कि मां-बाप ने मेडिकल कॉलेज में इज्जतनगर के अवध धाम कालोनी का जो पता नोट कराया था, वहां ताला पड़ा हुआ है. मां-बाप के मोबाइल नम्बर पर भी बात नहीं हो रही है. ऐसी स्थिति में मेडिकल कॉलेज प्रशासन को अब 1 मार्च को कोर्ट से ही मासूम के ऑपरेशन की मंजूरी मिलने की आस रह गई है.

दो ऑपरेशन हैं जरूरी

एसआरएमएस के मेडिकल सुपरिंटेंडेंट ब्रिगेडियर हांडा ने बताया कि मासूम की हालत लगातार गंभीर हो रही है. ईएनटी स्पेशलिस्ट को मासूम के गले की ट्यूब का ऑपरेशन करना है. यह ट्यूब काफी डैमेज हो चुकी है. वहीं शरीर में बेड सोर होने से स्किन स्पेशलिस्ट को उसकी प्लास्टिक सर्जरी भी करनी है. दोनों सर्जरी के लिए बच्चे को एनेस्थीसिया देना जरूरी है. इसके लिए परिजनों की सहमति मिलनी जरूरी है, लेकिन बच्चे के परिजनों के वापस न आने पर कोर्ट से ही अपील कर फैसला देने की मांग की है. बीमार बेटे को हॉस्पिटल में छोड़कर परिजनों के चले जाने का मामला जैसे ही आम हुआ, हर तरफ चर्चा का विषय बन गया. कोई माता-पिता की गरीबी को कोस रहा है, तो कुछ लोग बेदर्द मां-बाप को कोस रहे हैं.